विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ, लक्खीसराय

वर्ग-अष्टम्

विषय-हिन्दी

।।अध्ययन-सामग्री।।

सोना पाठ के प्रश्न सं0 3 का उत्तर –

आशय स्पष्ट करें –

परंतु उस बेचारे उस हरिण शावक की व्यथा कथा तो ऐसी है , जिसे मनुष्य की निष्ठुरता गढ़ती है ।

उत्तर – जिस प्रकार हम मनुष्य मिट्टी (धरती) के साथ अपने मन के मुताबिक व्यवहार करते हैं । मिट्टी हमारे जीवन का आधार है ,

लेकिन इस बात की गंभीरता को बिना समझे हम उसके साथ तरह-तरह का अत्याचार करते हैं और उसके जीवन की कहानी को लिखते हैं उसी प्रकार की मनमानी इस संस्मरण में सोना के साथ किया गया । जहां उसे अपना जीवन जंगल में बिताना चाहिए , वहां उसका जीवन मानव-समुदाय में बीता । और हम मनुष्य ही उसके दुखद अंत का कारण बने । ।